सहायक अध्यापक भर्ती : विज्ञापन 5 दिसंबर को, आवेदन 20 तक, परिणाम 22 जनवरी को

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राइमरी स्कूलों में 69 हजार सहायक अध्यापकों की भर्ती परीक्षा कार्यक्रम रविवार को जारी कर दिया गया। भर्ती के लिए विज्ञापन 5 दिसंबर को जारी होगा। फॉर्म छह दिसंबर से भरे जाएंगे। परीक्षा 6 जनवरी को होगी और सिर्फ 16 दिन बाद 22 जनवरी को परिणाम भी जारी कर दिया जाएगा। 68,500 शिक्षकों की पिछली भर्ती में हुई गड़बड़ियों से सबक लेते हुए प्रदेश सरकार ने अबकी कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग ने 68,500 सहायक अध्यापकों की भर्ती में 500 पद और जोड़ते हुए रविवार को भर्ती का शासनदेश जारी कर दिया। अपर मुख्य सचिव प्रभात कुमार ने बताया कि अभ्यर्थियों से 20 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे। परीक्षा छह जनवरी को 18 मंडल मुख्यालयों पर सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक होगी। परीक्षा बहुविकल्पीय और ओएमआरशीट पर होगी।

अबकी परीक्षा लिखित नहीं, सरकार ने गड़बड़ी रोकने के दिए निर्देश

बीएड वाले भी दे सकेंगे परीक्षा

अपर मुख्य सचिव ने बताया कि बीएड डिग्री वाले भी परीक्षा दे सकेंगे, लेकिन केवल प्राथमिक टीईटी (कक्षा 1 से 5) उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी ही शामिल हो सकेंगे।

पिछली बार की तरह किरकिरी न हो इसलिए 3 महत्वपूर्ण बदलाव

1. परीक्षा बहुविकल्पीय होगी।
2. पहले से कट ऑफ निर्धारित नहीं।
3. उत्तर पुस्तिका नहीं, ओएमआर शीट पर होगी परीक्षा।

मई में हुई 68,500 सहायक अध्यापकों की भर्ती परीक्षा में सामान्य, ओबीसी, एससी और एसटी की कट ऑफ पहले ही तय हो गई थी। परीक्षा लिखित हुई थी और कई परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं बदलने का मामला सामने आया था। इसे लेकर हुए विवाद को देखते हुए इस बार ये नए बदलाव किए गए हैं।

ऐसी-ऐसी गड़बड़ियां आई थीं सामने

- पिछली परीक्षा में जौनपुर में 16 ऐसे अभ्यर्थी सफल हो गए जिन्होंने परीक्षा तक नहीं दी थी।
- 2, 5,19 अंक पाने वाले 53 अभ्यर्थी भी सफल घोषित कर दिए गए।
- 51 ऐसे अभ्यर्थी सामने आए जिन्हें उत्तर पुस्तिका में अधिक अंक मिले, लेकिन परिणाम में फेल कर दिए गए।
- सरकार ने अनियमितता की जांच के लिए कमेटी बनाई तो इलाहाबाद स्थित परीक्षा नियामक प्राधिकारी दफ्तर में अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं तक जला दी गईं। इनमें याची सोनिका देवी की भी कॉपी थी।

सरकार का असल इम्तिहान

पहली बड़ी भर्ती में किरकिरी के बाद इस भर्ती परीक्षा को बिना विवाद पूरी कराना प्रदेश सरकार और बेसिक शिक्षा विभाग के लिए बड़ा इम्तिहान होगा। 27 मई, 2018 को हुई 68,500 शिक्षकों की भर्ती शुरू से ही विवादों में रही। कट ऑफ में बदलाव का मामला हाईकोर्ट पहुंचा। फिर उत्तर पुस्तिकाओं की जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। कई परीक्षार्थियों की उत्तर पुस्तिकाएं तक बदल दी गईं। सरकार को जांच के लिए 3 वरिष्ठ अधिकारियों की कमेटी बनानी पड़ी। कमेटी की रिपोर्ट के बाद पुनर्मूल्यांकन का अवसर भी दिया गया, लेकिन असंतुष्ट अभ्यर्थी हाईकोर्ट पहुंच गए। कोर्ट ने इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं।

टीईटी का परिणाम 4 या 5 को

18 नवंबर को हुई टीईटी 2018 का परिणाम 4 या 5 दिसंबर को आएगा। परीक्षा नियामक प्राधिकारी सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि परीक्षा परिणाम तैयार किया जा रहा है।

गलत सवालों पर कोर्ट जाएंगे अभ्यर्थी

प्रयागराज। टीईटी को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। परीक्षा में आए तकरीबन 12 सवाल ऐसे हैं, जिस पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति दर्ज कराई थी अब वे इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे। >> पेज 6

>> टीईटी पास करने के बाद भी नौकरी से रह जाएंगे वंचित : पेज 6